मनीष पांडे की शादी- राशिद खान ने पूछा बुलाया क्यों नहीं?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टीम इंडिया के क्रिकेटर मनीष पांडे ने सोमवार को दक्षिण भारतीय अभिनेत्री और अपनी गर्लफ्रेंड अश्रिता शेट्टी से शादी कर ली। मनीष को उनके क्रिकेटर दोस्तों से बधाइयां मिल रही हैं। इस बीच अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने भी पांडे को बधाई दी है। साथ ही उन्हें शादी में न बुलाने का कारण भी पूछा है। राशिद ने मनीष को ट्विटर पर बधाई देते हुए लिखा, मेरे भाई राजा मनीष पांडे बधाई हो दुआ करता हूं कि जिंदगी की सारी खुशियां साथ मिलकर मनाओ और हर दिन के साथ यह प्यार और भी गहरा हो। इसी के साथ राशिद ने अपने इस बधाई संदेश की आखिरी लाइन में मनीष से यह भी पूछ लिया कि आखिर उन्हें इस शादी का निमंत्रण क्यों नहीं दिया। राशिद ने लिखा, श्लेकिन न्योता क्यों नहीं किया।श इस ट्वीट में राशिद में खुशी वाले इमोजी भी इस्तेमाल किए हैं। बता दें मनीष पांडे और राशिद खान आईपीएल में एक ही टीम के खिलाड़ी हैं। दोनों खिलाड़ी बीते कई सालों से सनराइडर्स हैदराबाद के लिए खेल रहे हैं। मनीष पांडे ने सोमवार को मुंबई में शादी की और इस शादी में मनीष और अश्रिता के रिश्तेदार और करीबी मित्र ही शामिल हुए।

सीओए ने की थी जिसकी उपेक्षा उसी ट्रेनर संग रिहैब कर रहे बुमराह

क्रिकेट

दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनर रजनीकांत शिवागनम के साथ कर रहे रिहैब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ट्रेनर शंकर बासु द्वारा टीम और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में स्थापित की गई विरासत ढहती दिख रही है। भारतीय टीम के चोटिल तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एनसीए में रिहैब न करके इस समय उस शख्स के साथ रिहैब कर रहे हैं, जिसकी काबिलियत को नकार दिया गया था और उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल नहीं किया गया था। बुमराह इस समय आईपीएल की फ्रैंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के ट्रेनर रजनीकांत शिवागनम के साथ रिहैब कर रहे हैं।

दिलचस्प बात यह है कि रजनीकांत वही शख्स हैं, जिन्हें अगस्त में भारतीय टीम के स्ट्रेंग्थ ऐंड कंडिशनिंग कोच पद के लिए नहीं चुना गया था और काम निक वेब को दिया गया था। यह सब प्रशासकों की समिति (ब।) के मार्गदर्शन में हुआ था। जिस

पैनल ने ट्रेनर संबंधी भर्ती के लिए प्रैक्टिकल एग्जाम लिया था उसमें राष्ट्रीय चयनकर्ताओं के अलावा कोलकाता की इंडोरफिंस जिम के मालिक रणदीप मोइत्रा भी थे।

इस पैनल ने ल्यूक वुडहाउस तथा वेब को रजनीकांत पर तरजीह दी थी। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने न सिर्फ इस बात पर सवाल उठाए बल्कि उन्होंने यह भी कहा कि क्या सीओए के समय की गई नियुक्तियों पर नए सिरे से विचार करना चाहिए?

उन्होंने कहा, यह निक की बात नहीं है, लेकिन रजनीकांत के लिए बाकियों की अपेक्षा प्रक्रिया काफी मुश्किल थी। पैनल में मौजूद एक शख्स से मैंने रजनी के प्रति इस शत्रुता जैसे व्यवहार की जांच की थी। उनसे पैनल ने जिम ट्रेनर के जैसी चीजें करने को कहा था, जो किसी और से नहीं कहा था। एक हैरान करने वाली बात यह थी कि उस पैनल में एक शख्स ऐसा था, जिसने रजनी के स्तर के मुकाबले काम ही नहीं किया। यह जानना बेहद दिलचस्प होगा कि उस इंसान को पैनल में किसने रखा।

भारतीय टीम में बुमराह का स्थान बेहद अहम है और इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन उनके रिहैब को लेकर किसी तरह का जोखिम नहीं लेना चाहता है। बुमराह के पीठ में स्ट्रैस फ्रैक्चर की शिकायत है। सूत्र ने कहा, हम अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के साथ किसी तरह का जोखिम नहीं ले सकते, तब भी जब उनका शरीर सही तरह से वापसी कर रहा हो। इसलिए उन्हें ग्रेट ब्रिटेन भेजा गया था। हमारे सामने नए साल में न्यू जीलैंड का अहम दौरा है और वह इस दौरे की रणनीति का अहम हिस्सा हैं। इसलिए टीम प्रबंधन इस बात को लेकर इंतजार करने को तैयार है कि बुमराह न्यू जीलैंड दौरे के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटकर टीम में वापसी करें।

मिताली राज का बर्थडे- सचिन ने विश कर कहा- यूं ही रोशन करती रहो देश का नाम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज आज अपना 37वां बर्थडे मना रही हैं। इस मौके पर महान बल्लेबाज सचिन तेंडुलकर ने भी मिताली को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। सचिन ने भारत की इस महान खिलाड़ी को उनके आगामी के टूर्नमेंट्स के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

अपने ट्वीट में सचिन ने लिखा, शमिताली राज आपको जन्मदिन की बहुत शुभकामनाएं! भविष्य के टूर्नमेंट्स के लिए शुभकामनाएं और हमारे देश में ऐसे ही ख्याती लाती रहो। बर्थडे विश करते हुए मास्टर ब्लास्टर ने मिताली राज के साथ अपनी एक तस्वीर भी पोस्ट की है।

महिला ओडीआई क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं मिताली

बता दें मिताली राज दुनिया में सबसे ज्यादा वनडे इंटरनैशनल मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटर हैं। इसके अलावा वनडे क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रेकॉर्ड भी उनके नाम है। मिताली ने 209 वनडे मैच खेलकर 6888 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनके नाम 7 शतक और 53 फिफ्टीज भी हैं। साल 2017 में मिताली की ही कप्तानी में टीम इंडिया वर्ल्ड कप की उपविजेती बनी थी। इस टूर्नमेंट में मिताली ने भारतीय टीम के लिए कई यादगार पारियां खेलकर टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। मिताली दो दशक से टीम इंडिया के लिए वनडे इंटरनैशनल क्रिकेट खेल रही हैं। 1999 में आयरलैंड के खिलाफ उन्होंने 17 साल की उम्र में अपना इंटरनैशनल डेब्यू किया था। इसके तीन साल बाद 2002 में इंग्लैंड के खिलाफ उन्होंने अपने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और फिर 2006 में इंग्लैंड के ही खिलाफ उन्होंने टी20 डेब्यू किया। टी20 क्रिकेट में वह सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दुनिया की छठी और पहली भारतीय बल्लेबाज हैं।

उन्होंने 89 टी20 मैच खेलकर 2364 रन अपने नाम किए हैं। इस साल सितंबर में उन्होंने टी20 इंटरनैशनल से संन्यास ले लिया। टी 20 इंटरनैशनल में 2000 रन बनाने वाली वह पहली भारतीय क्रिकेटर हैं।

भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण बेहतरीन, स्पिनरों को ऑस्ट्रेलिया में होगी परेशानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पॉन्टिंग ने भारतीय तेज आक्रमण की तारीफ की लेकिन साथ ही कहा कि भारतीय स्पिनरों को ऑस्ट्रेलिया में परेशानी पेश आएगी। उन्होंने कहा कि सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण का पलड़ा भारी होगा। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और इशांत शर्मा जैसे तेज गेंदबाजों के दम पर भारत टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचा है। तीनों ने पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

44 साल के पॉन्टिंग ने कहा कि भारत के पास भले ही मजबूत गेंदबाजी आक्रमण हो , लेकिन उसके स्पिनर ऑस्ट्रेलिया में लय कायम नहीं रख सकेंगे। उन्होंने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, 'भारत के गेंदबाज शानदार हैं। बुमराह और शमी पिछले कुछ साल से अच्छा खेल रहे हैं। उमेश यादव और इशांत शर्मा को मिलाकर भारत का तेज आक्रमण अच्छा है।'

उन्होंने कहा, 'इनके साथ स्पिनर अश्विन और जडेजा को जोड़ दें तो भारत का आक्रमण अच्छा दिखता है लेकिन उसके स्पिनरों को ऑस्ट्रेलिया में दिक्कत आएगी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय स्पिनरों की तुलना में नाथन लॉयन का रेकॉर्ड बेहतर है।'

न्यूज डायरी

प्रत्येक सीरीज में एक डे–नाइट टेस्ट चाहते हैं सौरभ गांगुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलकाता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अध्यक्ष सौरभ गांगुली का मानना है कि भारतीय क्रिकेट टीम को प्रत्येक सीरीज में एक दिन–रात टेस्ट मैच खेलना चाहिए। भारत ने पिछले महीने ही ईडन गार्डन्स स्टेडियम में बांग्लादेश के साथ अपना पहला दिन–रात टेस्ट मैच खेला था।

सौरभ गांगुली ने द वीक से कहा, श्इससे लेकर मैं थोड़ा उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि यह आगे बढ़ने का एक तरीका है। हर टेस्ट नहीं, लेकिन एक सीरीज में कम से कम एक टेस्ट, दिन–रात टेस्ट मैच के रूप में होना चाहिए। गांगुली ने कहा कि वह डे–नाइट टेस्ट मैच को आयोजित करने के अपने अनुभव को अन्य संघों के साथ साझा करेंगे। बीसीसीआई अध्यक्ष ने कहा, श्मैं अपने अनुभव को बोर्ड के साथ साझा करूंगा और अन्य स्थानों पर लागू करने की कोशिश करेंगे। इस समय हर कोई तैयार है। कोई भी 5000 लोगों के सामने टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहता है।

भारतीय महिला टीम की मालदीव पर आसान जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पोखरा। बाला देवी के दो गोल की मदद से मौजूदा चौंपियन भारतीय महिला फुटबाल टीम ने मंगलवार को यहां मालदीव को 5–0 से करारी शिकस्त देकर दक्षिण एशियाई खेल (सैग) में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। बालादेवी ने दो गोल किये जबकि डेंगमेई ग्रेस, मनीषा और जाबमनी टुडु ने एक एक गोल दागा जिससे भारतीय टीम तीन अंक हासिल करने में सफल रही। ग्रेस ने पांचवें मिनट में ही भारत को बढ़त दिला दी थी जबकि बालादेवी ने 25वें और 33वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त मजबूत की। भारत मध्यांतर तक 3–0 से आगे था। भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में दो गोल दागकर अपनी जीत दमदार बना दी। मनीषा ने 87वें मिनट में और जाबमनी ने 88वें मिनट में गोल किये। भारत अपना अगला मैच गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

फेडरर के सम्मान में स्मारक चांदी का सिक्का जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बर्न (स्विट्जरलैंड)। टेनिस दिग्गज रोजर फेडरर स्विट्जरलैंड में पहले ऐसे जीवित व्यक्ति होंगे, जिनके सम्मान में चांदी का स्मारक सिक्का जारी किया जाएगा। स्विट्जरलैंड की संघीय टकसाल स्विसमिंट ने फेडरर के सम्मान में उनकी छवि के साथ एक 20 फ्रैंक का चांदी का सिक्का बनाया है। इतिहास में यह पहली बार है, जब स्विसमिंट ने किसी जीवित व्यक्ति के सम्मान में चांदी का स्मारक सिक्का जारी किया है।

स्विसमिंट ने एक बयान में कहा, फेडरल मिंट स्विसमिंट रोजर फेडरर को समर्पित करता है। इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है, जब एक जीवित व्यक्ति के नाम पर सिक्का जारी करके उन्हें सम्मानित किया जा रहा है।

लिएंडर पेस ने दिए रिटायरमेंट के संकेत, बोले, युवा टीम तैयार करना जरूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। टेनिस दिग्गज लिएंडर पेस ने खेल से संन्यास लेने के संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि अब वह अपने अनुभव के बूते जीत दर्ज करते हैं लेकिन टीम के हितों को देखते हुए एक साल से ज्यादा नहीं खेलना चाहते। पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप जीत के बाद लौटे पेस मीडिया से बात कर रहे थे। पेस ने कहा, मैं 46 साल का हो चुका हूं और मेरी जगह अब नई पीढ़ी को लेनी चाहिए। युवा टीम तैयार करना महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान जाकर खेलने से जुड़े सवाल के जवाब में लिएंडर ने कहा कि देश के लिए जब हम खेलते हैं तो किसी खिलाड़ी के लिए यह बात मायने नहीं रखती कि मुकाबला कहां खेला जा रहा है। उन्होंने कहा, जह हम देश के लिए खेलते हैं तो किसी हमारे लिए यह बात मायने नहीं रखती कि मुकाबला कहां खेला जा रहा है। हम कहां खेल रहे हैं और किसके खिलाफ खेल रहे हैं, यह मायने नहीं रखता। बता दें कि पाकिस्तान के खिलाफ डेविस कप का मुकाबला कजाकिस्तान में हुआ था जिसे भारत ने 4–0 से एकतरफा अंदाज में जीता।